दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनाँक:23 /06/2022

प्रकाशनार्थ

आज दिनाँक 23 जून 2022 को दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज गोरखपुर एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में ज़ूम एप के माध्यम से आयोजित सप्तदिवसिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के द्वितीय दिन मुख्य वक्ता प्रो. प्रोफेसर मनोज दिवाकर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने विषय " अनुसंधान में डेटा विश्लेषण तकनीकी" पर बोलते हुए कहा कि डेटा विश्लेषण उपयोगी जानकारी की खोज, निष्कर्षों को सूचित करने और निर्णय लेने का समर्थन करने के लक्ष्य के साथ डेटा का निरीक्षण, सफाई, परिवर्तन और मॉडलिंग की एक प्रक्रिया है । डेटा विश्लेषण के कई पहलू और दृष्टिकोण हैं, जिसमें विभिन्न नामों के तहत विविध तकनीकों को शामिल किया गया है, और इसका उपयोग विभिन्न व्यवसाय, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान डोमेन में किया जाता है। आज की कारोबारी दुनिया में, डेटा विश्लेषण निर्णयों को अधिक वैज्ञानिक बनाने और व्यवसायों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने में मदद करने में भूमिका निभाता है।

डेटा माइनिंग एक विशेष डेटा विश्लेषण तकनीक है जो विशुद्ध रूप से वर्णनात्मक उद्देश्यों के बजाय भविष्य कहनेवाला के लिए सांख्यिकीय मॉडलिंग और ज्ञान की खोज पर केंद्रित है, जबकि व्यावसायिक खुफिया डेटा विश्लेषण को कवर करता है जो मुख्य रूप से व्यावसायिक जानकारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए एकत्रीकरण पर निर्भर करता है। सांख्यिकीय अनुप्रयोगों में, डेटा विश्लेषण को वर्णनात्मक सांख्यिकी, खोजपूर्ण डेटा विश्लेषण ; ईडीए), और पुष्टिकरण डेटा विश्लेषण ; सीडीए) में विभाजित किया जा सकता है । ईडीए डेटा में नई विशेषताओं की खोज पर ध्यान केंद्रित करता है जबकि सीडीए मौजूदा परिकल्पनाओं की पुष्टि या मिथ्याकरण पर ध्यान केंद्रित करता है । प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स भविष्य कहनेवाला पूर्वानुमान या वर्गीकरण के लिए सांख्यिकीय मॉडल के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि टेक्स्ट एनालिटिक्स, असंरचित डेटा की एक प्रजाति, पाठ्य स्रोतों से जानकारी निकालने और वर्गीकृत करने के लिए सांख्यिकीय, भाषाई और संरचनात्मक तकनीकों को लागू करता है ।

मुख्य वक्ता सहित सभी का स्वागत प्रो ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर ने, अभाग्यर ज्ञापन डॉ परीक्षित सिंह ने, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती श्वेता सिंह (चैयरमेन मनराज कुंवर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी) लखनऊ ने संचालन प्रो. आर के शुक्ला लखनऊ विश्वविद्यालय ने किया।

इस ऑनलाइन कार्यक्रम में सह संरक्षक प्रो. पुरषोत्तम चक्रवर्ती, विजिटिंग प्रो. रटगर्स स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यू जर्सी, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका, महाविद्यालय के शिक्षक, अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक सहित 225 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

उक्त जानकारी महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ शैलेश कुमार सिंह ने दिया।

डॉ शैलेश कुमार सिंह
मीडिया प्रभारी